पाठ ४१

1. परमेश्वर काहे आदमीसबसंगे जहियो बोलतरनी ?
   - ताकि ओकुनीसब बाचेला ।

2. योना काहे निनवे शहरमे जावो कहके परमेश्वर चाहत रनी ?
   - काहेकि परमेश्वर निनवेके आदमीसबके प्रेम करलक ।
   - काहेकि परमेश्वर निनवेके आदमीसबे बचावेके चाहतरनी ।

3. योना काहे भागलक ?
   - योना भागलक काहकि ऊ निनवे शहर जाएके नइखे चाही ।

4. योना काहे निनवे शहर जाएके नइखे चाही ?
   - काहेकि निनवेका आदमीसब बहुत दुष्ट रहे ।
   - काहेकि निनवेके आदमीसब इस्रेलीसबके शुत्रु रहे ।

- काहेकि योना परमेश्वर निनवेके आदमीसबके बचावे कहके नइखे चाही ।

5. का योना परमेश्वरसे भाग सकलक ?
   - ना ।
6. का योना परमेश्वरसे लुके सकलक ?
   - ना ।
7. का योना परमेश्वरसे उम्के सकलक ?
   - ना ।

8. जब योजना परमेश्वर कहेवाला निनवे शहर ना गइलक त परमेश्वर कथी कइलक ?
   - परमेश्वर योनाके निगलके निमित्त एकगो बड्का मछली भेजदेलक ।

9. योना बड्का मछलीके पेटमे कइगो दिनतक रहल ?

   - तीन दिन आ तीन रात तक ।

10. का योना मछलीके पेटमे ना जाएके अपनके बचावेला सक्षम रहे ?
    - ना ।
11. योनाके मछलीके पेट भितर कउनो सिर्फ बचाएके सकेवाला रहे ?
    - परमेश्वर ।
12. कइस अउरो आदमीसब योना जइसन रहे ?
    - योना मछलीके पेटके भितर अपनके बचावेला ना सकिहन जइसन अउरो आदमीसब भी अपने आपके पाप मृत्यु आ शैतानसे बचावेला के ना सकिहन ।

13. योना परमेश्वरके आज्ञा ना मानके वहांके विरुद्धमे पाप करेला कहके स्वीकार करेलाके बाद परमेश्वर कथी कइलक ?
    - परमेश्वर मछलीके पेटसे योनाके सुखा भूमिमे फेकदेलक ।

14. परमेश्वर योनाके बचावेलाके बाद कथी वहां योनाके अब ऊ निनवे जाएके नइखे परी कहलक ?
    - ना ।
    - परमेश्वर बदेलेवाला ना रहे ।
    - परमेश्वर कहियो ना बदलेवाला रहे ।

- परमेश्वर अभिन भी योना वहांके सन्देश निनवेके जनताके भेजो कहके चाहतरनी ।

15. का निनवेके निवासीसब योनाके ओकुनिसबके सुनाएला परमेश्वरके सन्देशमे विश्वास कइलक ?
    - हां ।

16. परमेश्वर वहांके सन्देश अउरो आदमीसबके सुनावेलाके बिनेवाला ऊ सन्देशवाहकके नाम कथी रहे ?
    - अगवक्ता ।

17. अगमवक्ता सब आदमीसबके कथी कहलक ?
    - पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनावो कहलक ।

18. अगर ओकुनीसब पापके रास्ता त्यागके परमेश्वरके रास्तामे वापस ना आएला त इस्रेलके दश कुलके उपर कथी होवेवाला रहे ?
    - परमेश्वरके अस्सुरियनसबके इस्रेलके दश कुलके मारेके भेजेवाला रहे आ इस्रेलीसबके पापके दास बनावेला रहे ।

- अगर ओकुनीसब पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके ओरि ना वापस होवेला त यहूदाके दु कुलके उपर कथी होवेवाल रहे ?
- परमेश्वर बेबिलोनियसबके इस्रेलके कुलके लडाइं करेके भेजेवाला रहे आ इस्रेलीसबके ओकुनीसब दास बनाएवाला रहे ।

1. परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेला कहेलन बहुत साल बितगला रहे त पर भि कथी परमेश्वर वहांके प्रतिज्ञा भुलगेल ?
   - ना ।
   - परमेश्वर आदम आ हब्वाके उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
   - परमेश्वर अब्राहाम इसहाक आ याकुबके उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
   - परमेश्वर मोसा आ इस्रेलीसंगे उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
   - परमेश्वर राजा दाउद आ सुलेमानसंगे उद्धारकर्ता भेजेला कहके प्रतिज्ञा कइलक ।
   - परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेला कहके करेवाला प्रतिज्ञा ना भुलेला ।

2. यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना कइलक लेकिन कथी परमेश्वर अब उद्धार्कता ना भेजेला कहके मन बदलदेल ?
   - ना ।

3. यद्यपि इस्रेलीसब परमेश्वरमे विश्वास ना कइलक लेकिन अभिन भि काहे परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेके चाहत रनी ?
   - काहेकि परमेश्वर सब आदमीसबके मृत्यु पाप आ शैतानके शक्तिसे बचावेके चाहनी ।
   - काहेकि परमेश्वर कउनो भि आत्मिक आगके दहमे परो कहके ना चाहनी ।

4. आवेवाला उद्धारकर्ताके बारेमे परमेश्वर कउनो द्वारा सन्देस भेजलक ?
   - अगमवक्ताद्वारा ।

5. परमेश्वर अगमवक्तद्वारा आएवाला उद्धारकर्ताके बारमेमे केने कहतरनी ?
   - परमेश्वरके पुस्तक बाइलमे ।

6. परमेश्वर उद्धारकर्ताके भेजेसे पहिल उद्धार्कताके कथी होवेला कहके वहां निर्णय कइल ?

7. अपन भेजत रहे उद्धारकर्ताके बारेमे परमेश्वर कथी कहलन ?

आवलजावो यशैया ९:७क पद पढलजाइ ।

वहांके राज्यमे शक्ति आ शान्ति रहेला । दाउद परिवारके ऊ राजा सदा सदा बढेला ।

- परमेश्वर उद्धारकर्ता दाउदके वंशसे आएला आ सदासदाके निमित्त राजा होवेला कहलक ।

8. वहां भेजे रहल उद्धारकर्ताके बारेमे परमश्वर अउरो कथी बात कहलक ?

आवलजावो यसैया ७:१४ पद पढलजाइ

तब परमप्रुभ इस्रेलके शिर आ पुछ काटेके फेकेवाला रहे । परमप्रभु मुख्य गाछी आ टेहनी काटके फेकेवाला रहे ।

- परमेश्वर उद्धारकर्ता मानव पिता मातान से नही बल्की कुमारीके गर्भमे से जनमेवाला रहे ।

9. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो मिका ५:२ पद पढलजाइ ।

लेकिन हे बेतलेहम एप्रात तु यहूदाके बीचमे बहुत छोटा रहे तु जउन यहूदाके हजारौंके बीच छोटा बा लेकिन तुमसे एगो इस्रेलके शासक हमर निमित्त आएला । वहांके सुरुवात प्राचीन कालसे ही रहे ।

- परमेश्वर उद्धारकर्ता बेथलेहम शहरमे जनमेला कहलक ।

10. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो होशे ११:१ पद पढलजाइ ।

परमप्रभु कहलक जब इस्रेल बालक रहे हम ऊकराके प्रेम कइलक । तब हम अपन बेटाके मिश्रदेशसे बुलाइल ।

- परमेश्वर कहलक वहां उद्धारकर्ताके मिश्रसे बुलाएला ।

11. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ११:२ पद पढलजाइ ।

परमप्रभुके आत्मा ऊ बालकमे रहेला । ऊ आत्मा बालकके ज्ञान वृद्धि मार्गदर्शन आ शक्ति दिएला । आ ऊ आत्मा परमप्रभुके बारेमे बुझके ब आदर करेके सिखाएला ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता परमेश्वर आ पवित्र आत्माके अगुवाइमे रहेवाला रहे ।

12. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५३:४-५ पद पढलजाइ ।

लेकिन ऊ हमर कष्टसब अपन मानलक । ऊ हमर यातनासबके भार उठाइलक आ हमनी सोचल कि ओकराके परमेश्वर दण्ड देलक । हमनी सचोल कि ओकर दुष्टकर्मके निमित्त परमेश्वर दण्ड देलक । लेकिन हमनी करेवाला भूल कामसबके निमित्त ऊसब पीडा सहेके बाध्य बनाइलक । ओकर हमर दोषके निमित्त शाप देलक । हमर कर्जके निमित्त ओकर सजाय मिलल । ओकर पीडासे ही हमनीके क्षमा मिलल ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता आदमीसबसे सतावट भोगेके परी ।

13. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह ४१:९ पद पढलजाइ ।

हमर पियारा संघतिया हमनीके साथमे खाइल जउनके हम भरोसा कइलक । लेकिन अभिन ऊ हमनीके विरोधी बनगेल ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ताके वहांके संघतिया धोखा दिएवाला रहे ।

14. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो जकारिया ११:१२-१३ पद पढलजाइ ।

तब हमनी ओकुनीसबसे कहलक अगर तु ज्याला दिएके चाहनी त देओ । अगर ना चाहनी त ना देओ । वइसहे हमनी ओकर तीस चांदीके टुकडमे बेचदेलक । ओकराके बाद परमप्रभु हमनीसे कहलक ओकराके कोषभण्डामे फेंकदेलक । ओकुनीसब सोचेला कि ऊ महत्वपूर्ण धनके निमित्त हम योग्य रहे । ऊ धनके परमप्रभुके मन्दिरके भण्डामे रखदेओ । वइसहे चांदीके तीस टुकडेके परमप्रभुके मन्दिरके भण्डारमे राखदेलक ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता चांदीके ३० टुकडमे बेचिएवाला रहे ।

15. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह २७:२ पद पढलजाइ ।

दुष्ट आदमीसब हमनीके आक्रमण करे सकिहन
ओकुनीसब हमनीके तरवारसे काटेके सकिहन
हम शत्रुसब हमनीके आक्रमण करेके सकिहन
आ हमनीके ध्वंश करेके प्रयास करेके सकिहन ।।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ताके झूठ आरोप लगाइएवाला रहे ।

16. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५०:६ पद पढलजाइ ।

हमनीके पिटेलाके ऊ आदमीसब छोड्देला । ओकुनीसब हमनीके खेतसे केला निकालेके छोड्देला । पीर परेवाला तसब कहलन त पर भि हमर अनुहारमे थुकेला भि हम ओकुनीसब से मुहार लुकाएवाला नइखे ।

- परमेश्वर कहलक उद्धार्कताके पटिला आ थुकेला ।

17. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५३:७ पद पढलजाइ ।

ओकराके चोट दिएके दण्ड देलक । लेकिन ऊ कहियो बिरोध ना कइलक । मारेके निमित्ति लीएवाला भेड जइसन ऊ कुछ ना कहलक । ऊ ऊन काट्के समयमे चुप रहेवाला भेंडजइसन चुप बैठलक । ऊ अपन बचाउके निमित्त कहियो मुख ना खोललक ।

- परमेश्वर कहलक उद्धार्कता वहांके उपर आरोप लगावेला त पर भि कुछ ना कहेवाला रहे ।

18. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५३:३ पद पढलजाइ ।

आदमीसब ओकराके ठट्टाके पात्र बनाइलक आ अपन संघतीयासब ओकराके छोडदेलक । ऊ पीडा हि पीडासे भर आदमी रहे । आदमीसब ओकर दिकेके ना देलक । हमनी ओकराके ध्यान ना देलक ।

- परमेश्वर कहलक आदमीसब उदधारकर्ताके इन्कार करेवाला रहे ।

19. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह ६९:४ पद पढलजाइ ।

हमर शिरके केशसब से ज्यादा हमर शुत्रुसब रहे । कारणबगेर ओकुनीसब हमनीके हेला करतरहे । ओकुनीसब हमनीके विध्वंश करेलाके कोसिस कइलक । हमर विषयमे ओकुनीसब झूठा बातसब करैला । ओकनीसब झूठा रहे आ हमनी ओकर सामान चोरदेलक कहलक । ओकुनीसब हमनीके जबरन ना चोरेवाला सामासबके मूल्य तिरेके बाध्य पारदेलक ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता कारणबिना हि पिटेवाला रहे ।

20. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह २२:१६ पद पढलजाइ ।

ऊ कुकुरसब हमनीके एनेएने घुमेला । ऊ दुष्टसब हमनीके जालमे फांसेला । ओकुनीसब हमनीकु हातपैयर चिथोरेला ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ताके हातपयर चिथोरेवाला रहे ।

21. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह २२:१८ पद पढलजाइ ।

ऊ आदमीसब हमनीके कपडासब बांडेवाला रहे । ओकुनीस हमनीके कपडाके निमित्त चिठ्ठा बांटरहेला ।

- परमेश्वर कहलक उद्धार्कताके कपडा पाएलाके निमित्त आदमीस चिठ्ला हेलेला ।

22. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भनजसंग्रह २२:६-७ पद पढलजाइ ।

यीहे कारण का हमनी किट रहे आदमी ना रहे ? आदमीसब हमसे लज्जित रहे । ओकुनीसब हमनीके निन्दा करेला । हर आदमी जउन हमनीके दिखेला ऊ हमनीके गिज्याइला ।

ऊ अपन शिर हिलाइला आ हमनीके गिज्याइला ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ताके मजाक बनाइला ।

23. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५३:१२ पद पढलजाइ ।

यीहे कारणसे हमनी ओकर अपन आदमीसबमेसे पुरस्कार देलक । ऊ ऊसब चिजसब बलिया आदमीसबमे बांडेला । हम ओकराके निमित्त यी सब करेला काहेकि ऊ आदमीसबके निमित्त अपन जीवन देलक । आदमीसब कहलक ऊ एक अपराधी रहेला । लेकि सचमे ऊ सब पापसब खुद बोकलक । आ जउनसंगे पासब रहे ऊ आदमीसबके निमित्त ऊ बोलेला ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता दुष्ट आदमीसबसंगे मरेवाला रहे ।

24. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो यशैया ५३:९ पद पढलजाइ ।

ऊ मरलक आ ओकर धनीसबके चिहानके साथमे गाडदेलक । ऊकर दुष्ट आदमीसबसंगे गाडदेलक । ऊ कउनो खराब काम ना कइलक । ऊ कहियो झूठ ना बोललक लेकिन ऊ सब उसके उपर भइल ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता धनीसबके माझमे गाडिएवाला रहे ।

25. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह १६:१० पद पढलजाइ ।

काहेकि परमप्रभु अपने ममनीके चिहानमे छोडेवाला नइखे ।

अपने अपन आज्ञाकारी भक्तके चिहानमे वइसहे सडेलाके दिएवाला नइखे ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता मरेवालामेसे जीवत होवेवाला रहे ।

26. वहां भेजे रहल उद्धारकर्तके बारेमे परमेश्वर थप कथी बात कहलक ?

आवलजावो भजनसंग्रह ६८:१८ पद पढलजाइ ।

वहां उचा पहाडके उपर गइलक । ऊ आदमीसब जउन वाहांके विरुद्ध रहे कइदीसबके लहरमे पथ दिखाइलक परमप्रभु परमेश्वर वहां रहेलाके निमित्त गइलक । पुरुषसबमे से उपहार लिएकाले परमप्रभु परमेश्वर वहां रहेलाके निमित्त गइलक ।

- परमेश्वर कहलक उद्धारकर्ता स्वर्गमे वापिस गएवाला रहे ।
- परमेश्वर उद्धारकर्ता भेजेसे पहिल उद्धारकर्ताके होवेवाला सब बात तय करतरनी ।
- परमेश्वर भेजेवाला उद्धारकर्ताके बारेमे परमेश्वरके अगमवक्तासब कहलक ।
- परमेश्वरके अगमवक्तासब इस्रेलीसबके पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनाइलक कहलक ।

27. का बहतुसब इस्रेली परमेश्वरके अगमवक्ता कहेवाला बात मानलक ?
    - ना ।
28. परमेश्वरके अगमवक्तासबके इस्रेलीसब कथी कइलक ?
    - ओकुनीसब अगमवक्तासबके मारदेलक ।
29. परमेश्वरके अगमवक्तासबके इस्रेलीसब काहे मारदेलक ?
    - काहेकि परमेश्वरके अगमवक्तासब इस्रेलीसबके पापके रास्ता छोडके परमेश्वरके रास्ता अपनाइलक कहके अनुरोध कइलक ।
    - काहेकि परमेश्वरके अगुवासब इस्रेलीसके परमेश्वरके ओकुनीसबके पापके ज्याला मृत्यु दिहन कहलक ।

- काहेकि इस्रेलीसब पापके प्रेम कइलक आ परमेश्वरके कहेवाला बात ना मानलक ।

30. परमेश्वरके अगमवक्ताके बात सुनेलाके ज्यादा इस्रेलीसब कउनको बात मानलक ?
    - झूठ अगमवक्ताके ।
    - झूठ अगमवक्तासबके ओकुनीसब परमेश्वरके अगमवक्ता ह कहे लेकिन ओकुनीस शैतानके अगमवक्ता रहे ।
    - झूठ अगमवक्तासब ओकुनीसब पापके परमेश्वर दण्ड दिएवाला नइखे कहलक ।

31. झूठ अगमवक्तासब ओकुनीसब परमेश्वरके सत्य बोलतरनी कहलक लेकिन ओकुनीसब कथी कहलक रनी ?
    - शैतानके झूठ ।
32. झूठ अगमवक्तासबमार्फत कउन बोलतरनी ?
    - शैतान ।
33. शैतान अभनि भि का आदमीसबद्वारा ओकर झूठ जारी राखल ?
    - हां ।
    - शैतान आदमीसबद्वारा परमेश्वरके ना पछ्याइलक कहेला ।

- शैतान आदमीसबद्वारा पुर्खाके पदचाप पछ्याओ कहेला ।
- शैतान आदमीसबद्वारा परमेश्वरके वचन ना सुनो कहेला ।
- शैतान आदमीसबद्वारा परमेश्वरक वचन सत्य नइखे कहेला ।
- शैतान आदमीसबद्वारा परमेश्वर पापके दण्ड ना दिएला कहलक ।

34. यद्यपि इस्रेलीसब अपन बनाएवाला मूर्तिसब पूजतरनी का पओकुनीसब मन्दिरमे जाके परमेश्वरके भी पूजा कइलक ।
    - हां ?
35. परमेश्वर काहे अपन बनाएवाला मूर्ति पूजा करके इस्रेलीसब मन्दिरमे जाइके आराधना परमेश्वर ग्रहण कइलक ?
    - ना ।
    - काहेकि परमेश्वरके ओकुनीसब केवल ओकुनीसके होठसे सिर्फ वहांके भक्ति करतरनी कहके थाहा रहे ।
    - काहेकि पमरेश्वरके ओकुनीसब ओकुनीसके हृदयम रहे मूर्तिके पूजतरनी कहेके थाहा रहे ।

36. हमर हृदयके बारमे सब बात कउनको थाहा रहे ?
    - परमेश्वरके ।
    - परमेश्वर हमनीके सब हृदय देख सकेला ।
    - परमेश्वर हमनी वहांके आराधना होठसे करतरनी वा हृदयसे कहके देख सकेला ।

37. हमनीके हृदयके बारेमे परमेश्वर कथी कहलन ?
    - परमेश्वर कहलक हमनीके हृदय पापसे भरल रहे ।

38. यद्यपि वहां बहुतसब इस्रेली मूर्तिपूजा करतरनी ओकुनीसबमे से कउनो जो परमेश्वरके भि आराधान करेवाला रहे ?
    - हां ।
    - ओकुनीसब ज्यादा ना रहे ।

39. जउन परमेश्वरके सिर्फ आराधना करत रनी ऊ इस्रेलीसब किसके प्रतीक्षा करतरनी ?
    - परमेश्वर भेजेवाला उद्धारकर्ताके प्रतीक्षा करत रनी ।